State Council of Educational
Research & Training, Chhattisgarh
Shankar Nagar, Raipur

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं
प्रशिक्षण परिषद्, छत्तीसगढ़,
शंकर नगर, रायपुर

Telephone-0771-2443596 Fax-0771-2443496 Website: www.scert.cg.gov.in Email: scertcg@gmail.com

क्रमांक / शिक्षक शिक्षा / डी.एल.एड. / शा.अनु.का. / 2020–21/2056 रायपुर दिनांक 01-09-2020

प्रति,

1. **प्राचार्य (समस्त)**
   जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (छ.ग.)
2. **प्राचार्य (समस्त)**
   शासकीय बुनियादी प्रशिक्षण संस्था (छ.ग.)
3. **प्राचार्य (समस्त)**
   निजी डी.एल.एड. संचालित प्रशिक्षण
   संस्थान (छ.ग.)

विषय – डी.एल.एड. द्वितीय वर्ष के **शाला अनुभव ऑनलाइन कार्यक्रम** हेतु सत्र 2020–21 के लिए समयावधि के संबंध में दिशा–निर्देश।

––––000––––

COVID-19 Pandemic के कारण विद्यालय कब खुलेंगे यह अभी स्पष्ट नहीं है। डी.एल.एड. पाठ्यक्रम में NCTE के गाइड लाइन के अनुसार शाला अनुभव कार्यक्रम कार्यक्रम शामिल किया गया है। यह कार्यक्रम विगत वर्षो में माह सितम्बर में प्रारंभ करते रहे हैं। सत्र 2020–21 में द्वितीय वर्ष शाला अनुभव कार्यक्रम 16 सप्ताह में किया जाना है। कार्यक्रम दो चरणों में क्रमशः प्रथम चरण 8 सप्ताह (50 दिवस) प्राथमिक शालाओं में तथा द्वितीय चरण 8 सप्ताह (47 दिवस) उच्च प्राथमिक शालाओं में सम्पन्न किया जाना है। वर्तमान परिदृश्य में छात्राध्यापक अपने घरों में रह कर प्रोजेक्ट कार्य, क्रियात्मक अनुसंधान, पाठ्यपुस्तक समीक्षा, बच्चों के प्रोफाइल केस स्टडी का कार्य करेंगे।

इसी कड़ी में प्रथम चरण के **50 दिवसीय ऑनलाइन कार्यक्रम** की रुपरेखा निम्नानुसार होगी । स्थिति सामान्य होने पर शेष कार्यक्रम संस्थान में सम्पन्न होगा। स्थिति सामान्य नहीं होने की दशा में शेष दिवसों के कार्यक्रम पृथक से परिषद् द्वारा जारी किया जावेगा। –

प्रथम चरण प्राथमिक शालाओं हेतु –

सारणी – 1

क्रमांक	कार्यक्रम / गतिविधियाँ	दिनांक	दिवस
01	प्राथमिक शालाओं का चयन (छात्राध्यापक अपनी सुविधानुसार अपने घर के पास के विद्यालय / बच्चों का चयन करेंगे)	10 सितम्बर 2020 तक	–

02	चयनित प्राथमिक शाला के प्रधानपाठक / शिक्षक का ऑनलाइन उन्मुखीकरण प्रशिक्षण संस्थाओं द्वारा।	14 सितम्बर 2020	01 दिवस
03	छात्राध्यापकों के लिए शाला अनुभव कार्यक्रम ऑनलाइन प्रशिक्षण संस्थाओं द्वारा।	15 से 18 सितम्बर 2020	04 दिवस
04	शाला अनुभव कार्यक्रम के अंतर्गत छात्राध्यापक अपने घर में रह संस्थान द्वारा प्रदत्त प्रोजेक्ट कार्य, क्रियात्मक अनुसंधान पाठ्यपुस्तक समीक्षा बच्चों के प्रोफाइल केस स्टडी कार्य करेंगे।	19 सितम्बर से 08 अक्टूबर 2020	20 दिवस
05	छात्राध्यापकों का फीडबैक। (ऑनलाइन प्रशिक्षण संस्था द्वारा)	09 से 10 अक्टूबर 2020	02 दिवस
06	शाला अनुभव कार्यक्रम के अंतर्गत छात्राध्यापक अपने घर में रह संस्थान द्वारा प्रदत्त प्रोजेक्ट कार्य, क्रियात्मक अनुसंधान पाठ्यपुस्तक समीक्षा बच्चों के प्रोफाइल केस स्टडी कार्य करेंगे।	12 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2020	20 दिवस
07	छात्राध्यापकों का फीडबैक ।(ऑनलाइन प्रशिक्षण संस्था द्वारा)	02 से 04 नवम्बर 2020	03दिवस

प्रथम चरण शाला अनुभव कार्यक्रम

दिशा निर्देश –

- छात्राध्यापक को निर्देशित करे कि वे अभी जिस गॉव / शहर में हैं वहीं के नजदीक प्राथमिक शाला का चयन करें।
- संस्थान द्वारा छात्राध्यापक को दिए गए प्रदत्त कार्य पूर्ण करा कर निर्धारित तिथि तक Email / WhatsApp से प्राप्त करें एवं अभिलेखों का संधारण करें।
- इस सत्र प्रथम चरण के शाला अनुभव कार्यक्रम ऑनलाइन होंगे। किसी भी छात्राध्यापक को शाला में उपस्थित रह कर कार्य करने की आवश्यकता नहीं होगी।

चयनित शालाओं के प्रधानाध्यापकों / शिक्षकों का ऑनलाइन प्रशिक्षण के कुछ सुझावात्मक बिन्दू–

- समुदाय के साथ बातचीत करने व सम्पर्क को संभव बनाना।
- छात्राध्यापकों को यह समझने, योजना बनाने का अनुभव करने में मदद करना कि शालेय गतिविधियाँ किस प्रकार संचालित होती है। इस पूरी प्रक्रिया के दौरान एक अच्छे शिक्षक की क्या भूमिका होगी ?
- ऑनलाइन प्रशिक्षण अधिकतम 2 घण्टे का हो।

छात्राध्यापकों के लिए प्रथम चरण के शाला अनुभव ऑनलाइन कार्यक्रम की तैयारी –
प्रथम दिवस –

- कक्षा 01 से 05 तक की विषयवार अधिगम सम्प्राप्ति LOs (लर्निंग आउटकम) पर चर्चा विषय–हिंदी, गणित, पर्यावरण एवं अंग्रेजी सभी कक्षाओं के LOs PDF/PPT में उपलब्ध करावें या लिंक देवें।
- बच्चों के प्रोफाइल कैसे बनाएँ ? केस स्टडी कैसे किया जाए ? पर चर्चा करना। कुछ केस स्टडी का PDF एवं PPT छात्राध्यापकों को उपलब्ध करावें तथा छात्राध्यापकों से चर्चा करें कि उसमें बच्चों के बारे में जानने हेतु किन–किन पहलुओं पर ध्यान दिया गया है। पाठ्यक्रम एवं शाला अनुभव मार्गदर्शिका 2018 पृष्ठ 174
- बच्चे कैसे सीखते है पर चर्चा करना एवं संदर्भ सामग्री का लिंक प्रदान करना।

द्वितीय दिवस –

- प्रोजेक्ट क्या, क्यों और कैसे तैयार किया जाना है पर चर्चा । पाठ्यक्रम एवं शाला अनुभव मार्गदर्शिका 2018 पृष्ठ 170 से 173
- NMMSE, प्रतिभा परीक्षा एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं पर चर्चा ।
- हिंदी /अंग्रेजी विषय पर शिक्षण अधिगम योजना कैसे तैयार करते हैं पर चर्चा।
- विशेष आवश्यकता वाले बच्चे (CWSN) पर चर्चा ।
- स्थानीय खेलों/तीज त्यौहारों का संकलन।

तृतीय दिवस

- पाठ्यपुस्तक समीक्षा कैसे की जाती है पर चर्चा।
- प्रतिभागियों द्वारा कुछ चयनित पाठ्य सामग्री उदाहरण के लिए गिजू भाई, जॉन होल्ट, तोतोचान आदि के कुछ अंशो का वाचन व चर्चा ।
- कुछ नवीन शैक्षिक गतिविधियाँ जिसमें कविताएँ, कहानी, नाटक, पर्यावरण, विज्ञान के प्रयोग आदि पर चर्चा।
- गणित विषय पर शिक्षण अधिगम योजना कैसे तैयार करते हैं पर चर्चा।
- रिफ्लेक्टिव जनरल/रिफ्लेक्टिव डायरी। पाठ्यक्रम एवं शाला अनुभव मार्गदर्शिका 2018 पृष्ठ 175

चतुर्थ दिवस –

- क्रियात्मक अनुसंधान पर चर्चा ।पाठ्यक्रम एवं शाला अनुभव मार्गदर्शिका 2018 पृष्ठ 176
- क्रियात्मक अनुसंधान कैसे तैयार किया जाये पर चर्चा।
- पर्यावरण विषय पर शिक्षण अधिगम योजना कैसे तैयार करते हैं पर चर्चा।
- TLM पर चर्चा ।
- शिक्षण शास्त्र एवं मल्टी मीडिया के उपयोग के उपयोग पर चर्चा ।पाठ्यक्रम एवं शाला अनुभव मार्गदर्शिका 2018 पृष्ठ 178

- बेस्ट प्रेक्टिसेस । पाठ्यक्रम एवं शाला अनुभव मार्गदर्शिका 2018 पृष्ठ 180

उपरोक्त सभी कार्य COVID-19 के संदर्भ में स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों का पालन करते हुए कार्य संपादित करवाएँ।

(डी. राहुल वेंकट)
I.A.S.
संचालक
एस.सी.ई.आर.टी.,छ.ग.,रायपुर

पृ. क्रमांक / शिक्षक शिक्षा / डी.एल.एड. / शा.अ.का. / 2020–21 / 2051 रायपुर दिनांक 01-09-2020

प्रतिलिपि –

1. प्रमुख सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, स्कूल शिक्षा विभाग, मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर, अटल नगर की ओर सादर सूचनार्थ ।
2. सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, स्कूल शिक्षा विभाग, मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर, अटल नगर की ओर सादर सूचनार्थ ।
3. सचिव, छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल, पेंशनबाड़ा रायपुर, सूचनार्थ ।
4. जिला शिक्षा अधिकारी (समस्त), छत्तीसगढ को आवश्यक कार्यवाही हेतु।

संचालक
एस.सी.ई.आर.टी.,छ.ग.,रायपुर